From: Bhupendra Gandhi < >

Subject: Statements of the India Muslims

Could Muslims be ever faithful to the country that gives them their daily bread?
Answer by Skanda987: No. Koran/Islaam does not allow it. Per Islaam, a Muslim can never be grateful to any kafir (non-Muslims) no matter how much or how big favor/good a kafir does or did to the Muslim. See the statements of the Muslims beginning from the next page.

भारतीय मुसलमानांची बाजू घेणाऱ्या तथाकथित धर्मनिरपेक्षवादिंना या विषयी काय म्हणावयाचे आहे

" भारतीय मुसलमानों कों पाकिस्तानी मुसलमानों से अलग समझने की गलती ना करे हिंदू । अगर भारत ने पाकिस्तान पर हमला करने की जुर्रत की तो भारत के 25 करोड मुसलमान पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर हिंदुस्तान के खिलाफ जंग लड़ेंगे । "
-- असादुद्दीन ओवैसी,
लोकसभा सांसद, MIM, हैद्राबाद, भारत.

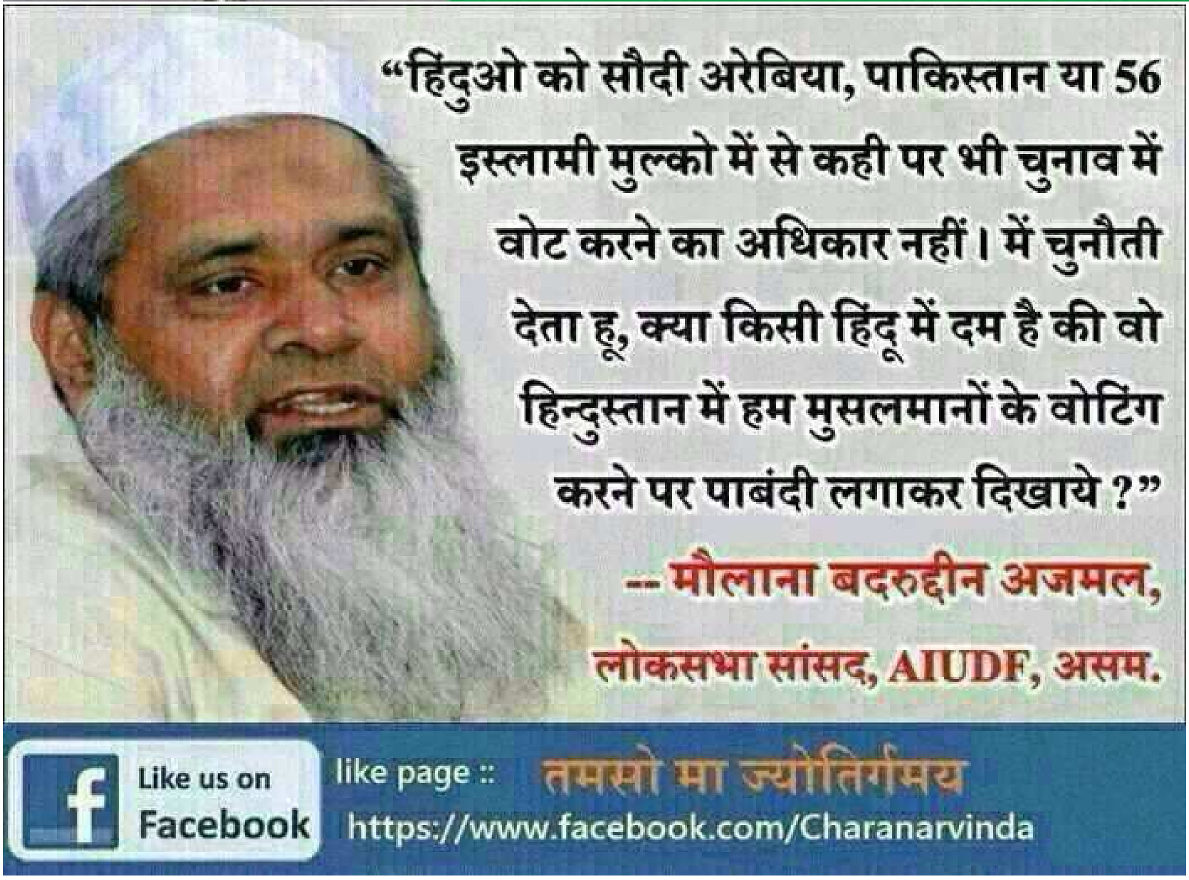
"हिंदुओ को सौदी अरेबिया, पाकिस्तान या 56 इस्लामी मुल्को में से कही पर भी चुनाव में वोट करने का अधिकार नहीं। में चुनौती देता हू, क्या किसी हिंदू में दम है की वो हिन्दुस्तान में हम मुसलमानों के वोटिंग करने पर पाबंदी लगाकर दिखाये ?"
-- मौलाना बदरुद्दीन अजमल,
लोकसभा सांसद, AIUDF, असम.
Like us on Facebook
like page :: तमसो मा ज्योतिर्गमय
https://www.facebook.com/Charanarvinda

" हैदराबाद शहर में हम मुसलमानों की आबादी 50% कों पार कर चुकी है और अब हम बहुसंख्यक हो चुके है। इसीलिए मैं प्रशासन से मांग करता हू की रामनवमी, हनुमान जयंती आदि हिंदू त्यौहारों पर प्रतिबन्ध लगा दिया जाये। चार मीनार के पास बने भाग्यलक्ष्मी मंदिर में घंटी बजाने पर हमने रोक लगा कर दिखा दी। यह मंदिर भी हम मुसलमान गिराकर रहेंगे।"

– अकबरुद्दीन ओवैसी, सांसद,
मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन,
(AIMIM), हैदराबाद, भारत.

" बांग्लादेश में जारी हिंदू और बौद्धों के कत्लेआम पर मुझे अफ़सोस है लेकिन बांग्लादेश एक इस्लामी मुल्क है, सेक्युलर नहीं। अब यहाँ मुसलमान बहुसंख्यक है, ऐसे में हिन्दू और बौद्ध अगर महफूज रहना चाहते है तो इस्लाम कबुल कर ले या फिर हिन्दुस्तान चले जाए।"

– बेगम खालिदा जिया,
अध्यक्ष, बांग्लादेश नॅशनलिस्ट पार्टी.

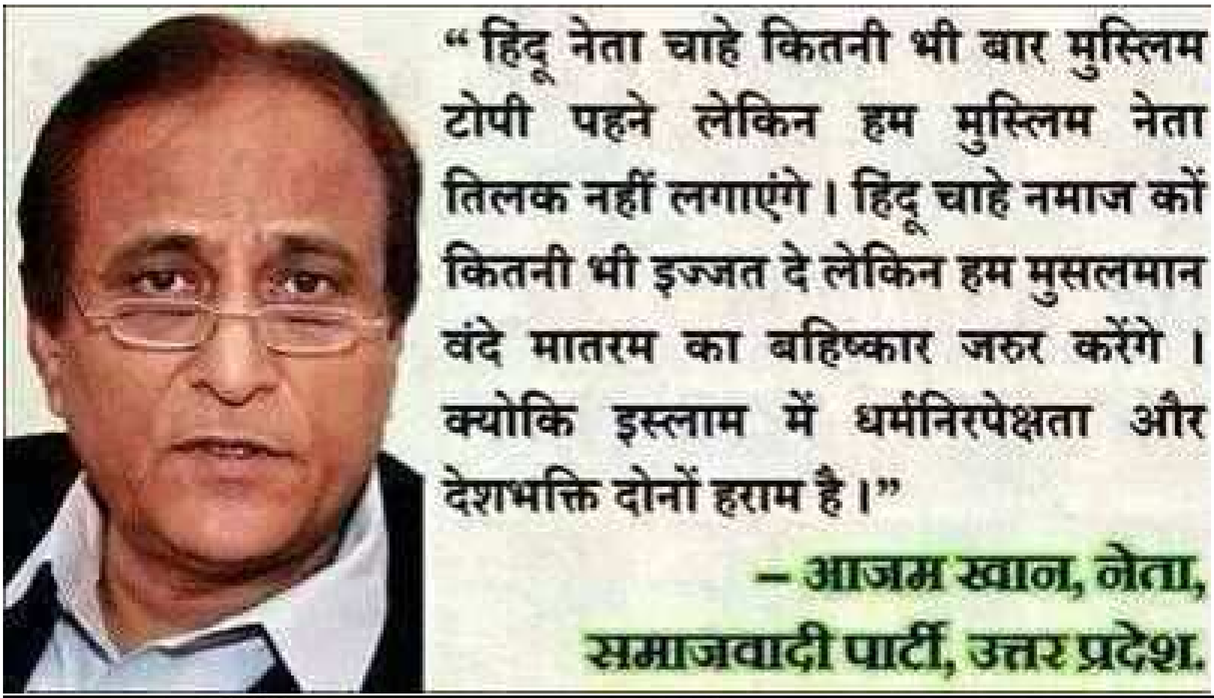
“ हिंदू नेता चाहे कितनी भी बार मुस्लिम टोपी पहने लेकिन हम मुस्लिम नेता तिलक नहीं लगाएंगे । हिंदू चाहे नमाज कों कितनी भी इज्जत दे लेकिन हम मुसलमान वंदे मातरम का बहिष्कार जरुर करेंगे । क्योकि इस्लाम में धर्मनिरपेक्षता और देशभक्ति दोनों हराम है ।”
– आजम खान, नेता,
समाजवादी पार्टी, उत्तर प्रदेश.
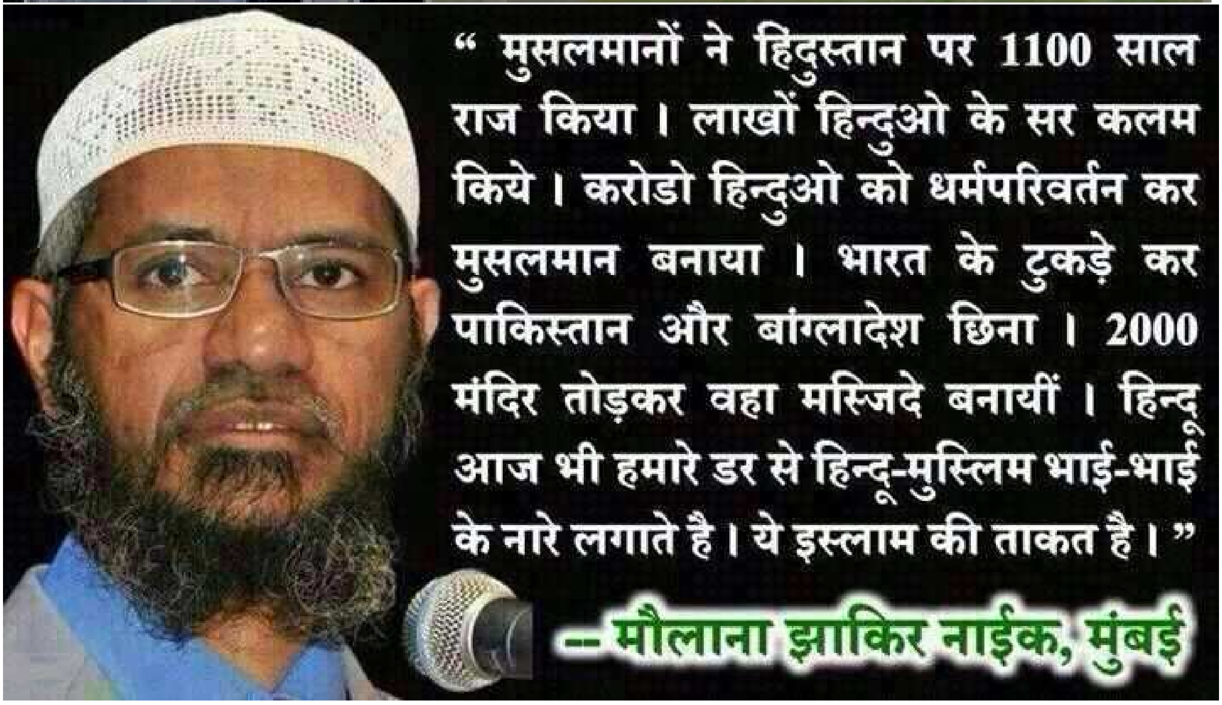
“ मुसलमानों ने हिदुस्तान पर 1100 साल राज किया । लाखों हिन्दुओ के सर कलम किये । करोडो हिन्दुओ को धर्मपरिवर्तन कर मुसलमान बनाया । भारत के टुकड़े कर पाकिस्तान और बांग्लादेश छिना । 2000 मंदिर तोड़कर वहा मस्जिदे बनायीं । हिन्दू आज भी हमारे डर से हिन्दू-मुस्लिम भाई-भाई के नारे लगाते है । ये इस्लाम की ताकत है । ”
-- मौलाना झाकिर नाईक, मुंबई

“ हिंदू चाहे गाय कों माता माने, फिर भी हम मुसलमान गाय जरुर काटेंगे, क्योकि कुरबानी मुसलमानों का धार्मिक अधिकार है। अल्लाह कुरबानी मांगता है । मुसलमान जुबानी जंग नहीं करते, हम हर काम सीधे ताकत से कर देते है। हम किसी भी हुकूमत से नहीं डरते, क्योकि हम मुसलमानों की जमात अब बहुत बड़ी हो चुकी है। कोई माई का लाल आया तो देख लेंगे उसे, मगर गाय कों जरुर काटेंगे!”

-- नुरूर रहमान बरकती, शाही इमाम,
टीपू सुल्तान मस्जिद, कोलकाता, भारत.

Proof: tinyurl.com/knmvnqj

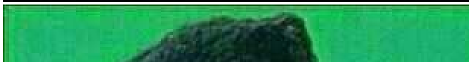

“हम मुसलमानों की ताकत के आगे हिंदू खुद के हि मुल्क में एक राम मंदिर तक नहीं बना पा रहे। क्या हिंदुओ की इतनी औकात है की वे सौदी अरेबिया, पाकिस्तान या 56 इस्लामी मुल्को में से कही पर भी मस्जिद के निर्माण पर रोक लगाकर दिखा सके ?”

-- मौलाना सैय्यद अहमद बुखारी,
शाही इमाम, जामा मस्जिद, दिल्ली.

बदर्रुदीन अजमल- सांसद असम
हिन्दुओ में दम नहीं है की वो असम में
हमारे बांग्लादेशी मुस्लिम भाइयो को आने
से रोक सके,हम आते रहेंगे
जयादातर हिन्दू इतने डरपोक
है की शेयर भी नहीं करते